ज़रा सोचें...

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी
ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

सबकुछ गंवाने के बाद भी भाग्य और भगवान सदा साथ रहते...

बाबा के यज्ञ का मंत्र - त्याग, तपस्या और सेवा

जो भी सेवा करें हम वो हमें शुद्ध भाव से करनी है। थोड़ा भी स्वार्थ रखेंगे तो बातें आती हैं। निःस्वार्थ, शुद्ध भाव से सेवा करो। पता है ना, सत्कर्म का फल मिलना ही है। भगवान के यज्ञ की सेवा कर रहे हैं। एक समझदार इंसान भी किसी का कुछ लेता है तो जल्दी वापस करने का सोचता है। समझदार व्यक्ति किसी का लेकर रख नहीं लेता है। बाबा हमारा लेकर रखेगा क्या? वो तो पदमगुणा रिटर्न कर रहा है। एक का पदमगुणा बाबा देते हैं। तो वो तो मिलना ही है ना हमें। अच्छे का अच्छा मिलना ही है। आत्माओं से हम इच्छा क्यों रखें! हम आत्माओं से इच्छा रखते हैं। दीदी ने मान नहीं दिया, फलाना आगे आ गया। नहीं, कोई भी आ गया, जाने दो। हम हैं ही महान। बाबा के यज्ञ का मंत्र है, त्याग, तपस्या और सेवा। ये समय है त्याग का, सेवा का, तपस्या का। आत्म-अभिमानी बनने की तपस्या करो। एक बाबा दूसरा न कोई, ये तपस्या करनी है। कर्मेन्द्रियों से अब मुझे कोई भी विकर्म नहीं करना है। ये दृढ़ता अपने में करो। ये तपस्या है।

जब बहुत लम्बे समय तक साधना करते हैं, दृढ़तापूर्वक, लक्ष्यपूर्वक तब उसको तपस्या कहा जाता है। लक्ष्य क्या है? मुझे पूर्ण शुद्ध आत्मा बनना है। विकार का कोई अंश मेरे में न रहे, ये साधना है। ये समय अंत का समय है। महापरिवर्तन का समय है। प्रकृति की भी बातें आयेंगी, मानव की भी बातें आयेंगी। हम इस दुनिया के बीच में हैं तो सभी बातें आयेंगी। पर निश्चय हो, बाबा हमारा रक्षक है, बाबा हमारा साथी है। बाबा कहानी बताते हैं ना मुरली में कि भट्ठी में बिल्ली के बच्चे कैसे बच गये...! हम तो बाबा के बच्चे हैं! जो बाबा की श्रीमत पर चलता है, वो सही सलामत है। हमारे अपने हिसाब-किताब से कुछ नुकसान भी हुआ तो हमारे वर्तमान कर्म अच्छे हैं तो हमारे में सहनशक्ति भी आयेगी, हिम्मत भी आयेगी, हम उस परिस्थिति को पार कर लेंगे। ऐसा नहीं, उस समय बुद्धि उलटी हो जाये कि बाबा ने मदद ही नहीं की। मैं बाबा का बना, तो भी मेरा नुकसान हुआ। हम बाबा के बने, तो अच्छी बात है ना! कोई उपकार कर दिया क्या बाबा पर कि हम आपके बने तो आप हमारे पाप नष्ट कर दो, हिसाब-किताब खत्म कर दो। ऐसे थोड़े ही है!

कहते हैं ना, एक द्वार बंद होता है तो दूसरे दस द्वार खुलते हैं। हमें अपने भाग्य में विश्वास है। कोरोना में हुआ ना, कइयों की नौकरी चली गई, कइयों के धंधे ठप्प हो गये। पर जिन्होंने हिम्मत रखी, श्रीमत को नहीं छोड़ा, और अपनी तरफ से मेहनत करते रहे, फिर उठ गये। तो बातें आती हैं, पर हम पक्का रहें कि हमारा भाग्य और हमारा भगवान हमारे साथ है। सबकुछ गंवाने के बाद भी भाग्य और भगवान तो साथ ही रहते हैं ना! फिर से मेहनत करें, कोई भी छोटा-मोटा धंधा-नौकरी करें। इसमें कोई देह-अभिमान की बात नहीं है।

कोरोना में एक बहुत बड़ा ज्वैलर भाई, बाबा का बच्चा, कमाई नहीं रही तो उन्होंने सब्जी बेचना शुरु किया अपनी सोसायटी में। और फिर एक-दो और भी साथी बन गये। गांव से होलसेल सब्जी लाकर बेचने लगे। फिर उठ गये, फिर कमाने लगे। हमें पाप करने में शर्म करना है, मेहनत करने में नहीं। ईमानदारी से जो कुछ हम कर सकते हैं, वो मेहनत हमें करनी है। इसलिए ऐसा नहीं कि बाबा ने हमें मदद नहीं की, बाबा तो है ही सदा कल्याणकारी। मदद करने के लिए ही तो आया है। बाबा कहते हैं ना कि मैं किसलिए आया हूँ...! मुझे अचल रहना है बस। अवस्था नहीं बिगाड़नी है। तो ये है ज्ञान की शक्ति, योग की शक्ति और एक बल एक भरोसा। बाबा मदद करे तो अच्छा और न करे तो...! हम बाबा से ऐसी इच्छा क्यों रखें! वो कर ही रहा है। उसने पूरे खज़ाने हमें दे दिए हैं। ऐसा सत्य ज्ञान न होने के कारण पूरी दुनिया भटक रही है। आज हम ठिकाने पर लग गये हैं। लक्ष्य में आ गये हैं। अच्छे पुरुषार्थ में आ गये। ये तो पढ़ाई चल रही है ना! अंत तक पढ़ते रहना है। बाबा की याद में रहना है। निश्चय, नशा सदा बना रहे।

बाबा के यज्ञ का मंत्र है, त्याग, तपस्या और सेवा। ये समय है त्याग का, सेवा का, तपस्या का। आत्म-अभिमानी बनने की तपस्या करो। एक बाबा दूसरा न कोई, ये तपस्या करनी है। कर्मेन्द्रियों से अब मुझे कोई भी विकर्म नहीं करना है। ये दृढ़ता अपने में करो। ये तपस्या है।

नई दिल्ली। पुरुषोत्तम रुपाला,पशुपालन एवं डेयरी मंत्री के साथ तम्बाकू निषेध दिवस पर 10 करोड़ शपथ दिलाने के संदर्भ में चर्चा करते हुए ब्र.कु. बनारसी लाल शाह,सेक्रेट्री,मेडिकल विंग,ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. सरोज दीदी,द्वारका से.11 तथा ब्र.कु. अटल भाई।

रतिया-हरियाणा। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में विधायक लक्ष्मण सिंह नापा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.संगीता बहन। साथ हैं ब्र.कु.ज्योति बहन, ब्र.कु.मदन भाई एवं ब्र.कु.बलराज भाई।

मुंगरा बादशाहपुर-उ.प्र.। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र कुमार सिंह, फ्लाइट ऑफिसर राधेश्याम तिवारी, थाना अध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी, ब्र.कु.मनोरमा दीदी, ब्र.कु.अनीता दीदी तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।

आगरा-सिकंदरा(उ.प्र.)। त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए उ.प्र. एससीएसटी के अध्यक्ष डॉ. राम बाबू हरित, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. भानु प्रताप, आयकर अधिकारी आशीष जी, ब्र.कु. सरिता बहन, ब्र.कु. मधु बहन, गोविंद बंसल तथा अन्य।

दिल्ली-दरियागंज। शिव जयंती पर आयोजित प्रभात फेरी का स्वागत करते हुए पूर्व नगर निगम पार्षद सिम्मी जैन। प्रभात फेरी में शामिल हैं ब्र.कु. संगीता बहन, ब्र.कु. शोभा बहन तथा अन्य।

आगरा-आर्ट गैलरी(उ.प्र.)। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सतीश त्यागी,बीजेपी,आगरा, खुशबू सिंह,नगर परिषद चेयरमैन,धौलपुर, हरिओम शर्मा, चौधरी जबर सिंह, कल्का प्रसाद,समाजसेवी, उत्तम सिंह,ब्लॉक प्रमुख, डॉ. प्रीति सिंह,आगरा कमिश्नर की धर्मपत्नी, श्रीमति कुसुम जी,वाइस प्रिंसिपल,केंद्रीय विद्यालय,आगरा, विनोद जी,सीओडी सुपरवाइजर, ब्र.कु. मधु बहन, ब्र.कु. संगीता बहन, ब्र.कु. माला बहन, ब्र.कु. सावित्री बहन, ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. वीरेंद्र भाई,पूर्व प्रधान सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

गिद्दड़बाहा-पंजाब। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवध्वज फहराते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी, अमित कुमार शिम्मी बांसल,जिला प्रधान शिरोमणि अकाली दल, नवनीत कुमार बांसल,जीएनआर कॉम्प्लेक्स,शिवपुरी प्रधान तथा अन्य।

दिल्ली-विनोद नगर। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में ईस्ट विनोद नगर के निगम पार्षद देवेंद्र कुमार, गाजीपुर से ब्र.कु.सुधा दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु .ममता बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

गोपालगंज-बिहार। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के कार्यक्रम में इंस्पेक्टर ललन कुमार एवं नगर परिषद अध्यक्ष हरेंद्र जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. अंगूर बहन, ब्र.कु.अनीता बहन तथा अन्य।